डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 8, 1 सैमुअल 11-12

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह 1 शमूएल 11-12 का सत्र 8 है, शाऊल का सबसे बेहतरीन समय, शमूएल लोगों का सामना करता है।

हमारा अगला पाठ 1 शमूएल 11 और 12 को कवर करने जा रहा है। इन दो अध्यायों में, वे वास्तव में एक प्रकरण शामिल हैं लेकिन दो अलग-अलग जोर के साथ। 1 शमूएल 11 में मैंने इसे शाऊल के सर्वोत्तम समय का शीर्षक दिया है। शाऊल इस अध्याय में अच्छा प्रदर्शन करने जा रहा है।

और फिर 1 शमूएल अध्याय 12 में, शमूएल शाऊल के साथ राजत्व को नवीनीकृत करने के बाद लोगों का सामना करने जा रहा है। आपको याद होगा कि 1 शमूएल 9 और 10 में, हमारा पिछला पाठ, प्रभु शाऊल को शमूएल के पास ले गया। शमूएल ने निजी तौर पर इस्राएल के राजा के रूप में शाऊल का अभिषेक किया और पलिश्तियों से इस्राएल की मुक्ति शुरू करने के लिए शाऊल को नियुक्त किया।

शाऊल उस पर अड़ गया, झिझक रहा था, वास्तव में उसने उस पर बिल्कुल भी अमल नहीं किया। आख़िरकार, शमूएल ने सभी लोगों को अपने नए राजा का अभिषेक करने के लिए मिज़पा में बुलाया। शाऊल इस अवसर पर मौजूद है लेकिन सामान के बीच छिपा हुआ है, स्पष्ट रूप से, एक व्यक्ति जो इज़राइल का राजा बनने के बारे में उत्साहित नहीं है।

सैमुअल ने फिर भी सार्वजनिक रूप से उसका अभिषेक किया और उसे राजा घोषित किया, लेकिन कुछ लोग इससे प्रभावित नहीं हुए। मुझे लगता है कि उन्हें एहसास है कि यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा हमने मांगा था। शाऊल स्वयं भले ही अच्छा दिखता हो, लेकिन उसका आचरण इतना प्रभावशाली और संकोच के कारण राजा जैसा नहीं है।

और साथ ही, शमूएल ने लोगों को राजत्व के नियम पढ़कर सुनाए, जिन्हें हम व्यवस्थाविवरण अध्याय 17 श्लोक 14 से 20 तक पढ़ते हैं। और मुझे लगता है कि लोगों को एहसास है कि यह बिल्कुल उस तरह का राजा नहीं होगा जैसा हम चाहते थे। वह सभी राष्ट्रों की तरह नहीं बनने वाला है।

वह रथों, महिलाओं और धन को जमा नहीं कर पाएगा, एक अलग प्रकार का राजा जो अभी भी भगवान के नियंत्रण में है। और इसलिए, जब हम अध्याय 10 छोड़ते हैं तो थोड़ी अनिश्चितता होती है। क्या शाऊल वास्तव में सफल होने जा रहा है? यहाँ से काँहा जायेंगे? ऐसा नहीं लगता कि इज़राइल पूरी तरह से उसके पीछे है और शाऊल स्वयं झिझक रहा है।

तो यह हमें अध्याय 11 में लाता है जहां हम जॉर्डन नदी के पूर्व में ट्रांसजॉर्डन क्षेत्र में एक दुश्मन राजा के बारे में पढ़ते हैं, नाहाश नाम का एक अम्मोनी राजा, जिसके नाम का अजीब अर्थ सांप के

रूप में लिया जा सकता है। मुझे संदेह है कि क्या उसकी माँ ने उसका यह नाम रखा होगा। यह एक ऐसा नाम हो सकता है जो उसने स्वयं यह दर्शाने के लिए दिया था कि वह एक सख्त आदमी था, या शायद यह एक ऐसा नाम है जो उसके दुश्मनों ने उसे दिया था, एक साहित्यिक नाम।

वैसे भी, वह नाहाश अम्मोनी है। और अध्याय 11 पद 1 में हम पढ़ते हैं, कि उस ने चढ़ाई करके याबेश गिलाद को घेर लिया। अब याबेश एक इज़राइली शहर है, लेकिन यह जॉर्डन के पूर्व में गिलियड में स्थित है।

और याबेश के सब पुरूषोंने उस से कहा, हम से सन्धि कर, और हम तेरे आधीन रहेंगे। यह दिलचस्प है कि कुमरान की गुफा 4 में पाए गए सैमुअल के मृत सागर स्क्रॉल में, अध्याय 11 की शुरुआत में एक अतिरिक्त कविता है। और इस विशेष मामले में, मुझे यकीन नहीं है कि यह मूल पाठ का प्रतिनिधित्व करता है या नहीं।

यह महज़ एक प्राचीन परंपरा हो सकती है. यह जोसेफस में, पुरावशेषों में भी दिखाई देता है। लेकिन यह अतिरिक्त श्लोक हमें इस बात की थोड़ी और पृष्ठभूमि देता है कि क्या हुआ होगा।

और कुछ विद्वानों का मानना है कि इसे गलती से छोड़ दिया गया था, यह उस सामग्री की तरह है जिसका उल्लेख हमने अध्याय 10 की शुरुआत में किया था। यह मामला हो भी सकता है और नहीं भी। लेकिन यह अतिरिक्त सामग्री कहती है कि अम्मोनियों का राजा नाहाश गादियों और रूबेनियों पर गंभीर रूप से अत्याचार कर रहा था।

याद रखें ये वे जनजातियाँ हैं जो उस क्षेत्र में रहती हैं। और उसने हर दाहिनी आँख को फोड़ दिया, और किसी को भी इस्राएल को बचाने की अनुमति नहीं दी। यरदन के पार इस्राएलियों में से कोई ऐसा न बचा, जिसकी दाहिनी आंख अम्मोनियों के राजा नाहाश ने फोड़ ली हो।

हालाँकि, 7,000 लोग अम्मोनियों की शक्ति से बच गए थे, और याबेश गिलाद में आ गए थे। इसलिए, यदि यह सटीक है, तो यह हमें कुछ पृष्ठभूमि देता है। यह उसके अनुरूप है जो हम कहानी में देखने जा रहे हैं।

किसी भी दर पर, अम्मोनी नाहाश, याबेश क्षेत्र में कुछ गंभीर समस्याएँ पैदा कर रहा है। 1 शमूएल 11 के पद 2 में, वह इस्राएलियों को उत्तर देता है, मैं तुम्हारे साथ केवल इस शर्त पर सन्धि करूँगा कि मैं तुम में से हर एक की दाहिनी आँख फोड़ लूँगा, और इस प्रकार सारे इस्राएल को अपमानित करूँगा। इसलिए जाहिर तौर पर नाहाश को इस्राएलियों की परवाह नहीं है, और वह उनके साथ संधि करना चाहता है।

वह उन्हें पूरी तरह से अंधा नहीं कर रहा है। वैसे, हमारे पास पुराने नियम में अंग-भंग के अन्य उदाहरण भी हैं। न्यायाधीशों 1 में एक राजा का उल्लेख है, इस्राएलियों ने एक कनानी राजा अडोनाई बेजेक को मार डाला।

इस्राएलियों ने उसके अंगूठे और पैर की अंगुलियाँ काट दीं, और हमें पता चला कि उसने दूसरों के साथ भी यही किया था। तो, उसे वही मिल रहा है जिसका वह हकदार है। हमने न्यायियों 16 में

यह भी पढ़ा है कि पलिश्तियों ने सैमसन की आँखें ले लीं और उसे अंधा कर दिया, और हमारे पास 2 किंग्स 25.7 में इसी पंक्ति में एक और घटना भी है। लेकिन इस मामले में नहाश दोनों आंखें नहीं, सिर्फ दाहिनी आंख निकालना चाहता है।

वह इस्राएलियों को अपमानित करना चाहता है। तो, सभी इज़राइली सिर्फ एक आंख के साथ घूम रहे हैं। लेकिन वे अभी भी उत्पादन करने में सक्षम होंगे।

वे अब भी अपनी ज़मीन पर खेती करने, उत्पादन करने और उसे श्रद्धांजलि देने में सक्षम होंगे। तो मुझे लगता है कि यहीं दर्शन है। और इसलिए वह याबेश के बुजुर्गों से कहता है, हाँ, हम एक संधि कर सकते हैं, और इसे हम सुजरेन जागीरदार संधि कहते हैं, जहाँ नाहाश भगवान होगा, इस्राएली प्रजा होंगे, और वे कर देंगे .

परन्तु तुम्हें मुझे तुम्हारी दाहिनी आंख फोड़कर तुम्हें अपमानित करने देना होगा। खैर, 1 शमूएल 11 की आयत 3 हमें बताती है कि याबेश के पुरनियों ने उससे कहा, हमें सात दिन दे ताकि हम पूरे इस्राएल में दूत भेज सकें। यदि कोई हमें बचाने नहीं आएगा तो हम आपके सामने आत्मसमर्पण कर देंगे।

अब ये थोड़ा अजीब लग सकता है. कौन सा राजा सही दिमाग से उन्हें मदद के लिए भेजने देगा? लेकिन यह वास्तव में बहुत अच्छी बात है जब आप समझते हैं कि ये अभियान इस संस्कृति में कैसे काम करते हैं। नाहाश जाबेश गिलियड के बाहर है।

उसे शहर को घेरना होगा। वह अंततः इसे ले सकता है, लेकिन उसे इसे घेरना होगा, और इसमें कुछ समय लगेगा। निवासियों को भोजन खत्म होने में थोड़ा समय लगेगा और वे इतने हताश हो जाएंगे कि वे हार मान लेंगे।

इसलिए, उन्हें यहां इस अभियान को जल्द पूरा करने का अवसर दिख रहा है। अरे, सात दिन और मैं उन्हें अपने अधिकार में रख लूंगा और मुझे इस शहर को घेरने में समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। लेकिन यह उसकी ओर से एक निश्चित आत्मविश्वास की अपेक्षा रखता है।

उसे पूरा विश्वास है कि कोई नहीं आएगा। और यदि वह अंश जो हमने पहले पढ़ा है, सही, सटीक और शायद मूल पाठ का एक हिस्सा है, तो यह हमें अधिक परिप्रेक्ष्य देता है। उसने आसपास के शहरों को पहले ही जीत लिया था।

वहाँ सचमुच कोई नहीं बचा था। और इसलिए, मुझे लगता है कि उसे अपनी शक्ति और अपनी सेना पर इतना भरोसा है कि वह सोच रहा है, ठीक है, मैं इसके साथ चलूंगा। मैं उन्हें मदद के लिए भेजने दूँगा।

कोई नहीं आने वाला. और अगर आ भी गए तो हमें हरा नहीं पाएंगे. इसलिए, मैं यह जोखिम उठाना पसंद करूंगा।

हमें कुछ दिनों में इसराइली सेना के खिलाफ लड़ाई जीतनी पड़ सकती है, लेकिन मैं इस अभियान को समाप्त कर सकता हूं और इस शहर को जल्दी से अपना बना सकता हूं और किसी तरह की लंबी घेराबंदी में शामिल नहीं हो सकता जहां मेरे कुछ सैनिक जा रहे हैं यहीं रखना होगा. मुझे लगता है कि इसके पीछे यही तर्क है। प्रथमदृष्टया, ऐसा लगता है जैसे वह इस पर सहमत होने में नासमझी कर रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि उसके दृष्टिकोण से यह समझ में आता है।

और इसलिये उन्होंने दूत भेजे, और दूत शाऊल के गिबा में आए, अर्थात गिबा जहां शाऊल रहता है। और उन्होंने लोगों को ये बातें बता दीं, और वे सब जोर-जोर से रोने लगे। और शाऊल अपने बैलों के पीछे खेतों से लौट रहा था।

वैसे, वह बहुत राजा जैसा नहीं दिख रहा है। वह अभी भी खेती कर रहा है. वह मैदान में हैं.

यह उन न्यायाधीशों की बहुत याद दिलाता है जिन्हें ईश्वर बुलाएगा। आप जानते हैं, गिदोन गेहूँ पर काम कर रहा था जब प्रभु ने उसे बुलाया। और इसलिए, शाऊल दूर खेती कर रहा है।

जाहिरा तौर पर वह इस समय किसी बड़े शाही महल में नहीं रह रहा है। और उसने पूछा, सबको क्या दिक्कत है? वे क्यों रो रहे हैं? और फिर उन्होंने उसे वही दोहराया जो याबेश के लोगों ने कहा था। और तब परमेश्वर की आत्मा शाऊल पर आने वाली है और वह जाकर लोगों को छुड़ाएगा।

लेकिन मुझे लगता है कि हमें यहां थोड़ी समीक्षा करनी होगी। यह महज़ संयोग नहीं है कि दूत शाऊल के गिबा में आते हैं। दूसरे शब्दों में, वे बिन्यामीन के गोत्र में आते हैं।

हमें न्यायाधीशों की पुस्तक पर वापस जाना होगा जहां हमें पता चलता है कि याबेश-गिलियड और गिबा के बीच एक संबंध, एक प्राचीन संबंध था। यदि आपको याद हो, तो न्यायाधीशों के अंतिम अध्यायों में एक गृहयुद्ध हुआ था क्योंकि इस्राएलियों ने लेवियों और उसकी उपपत्नी के साथ दुर्व्यवहार किया था, गिबा के बिन्यामीनियों ने ऐसा किया था, और इससे गृहयुद्ध छिड़ गया था। और इस्राएल के गोत्र बिन्यामीनियों पर चढ़ आए, और उनके सारे गोत्र को लगभग नष्ट कर डाला।

और न्यायाधीशों के अनुसार, केवल 600 बिन्यामीनी पुरुष बचे थे। और इस्राएलियों ने यह मन्नत मानी, वह मूर्खता, और उतावलेपन की मन्नत थी, कि वे बचे हुओं को अपनी बेटियां न देंगे। तो, हमारे पास 600 बिन्यामीन हैं जिन्हें पत्नियों की आवश्यकता है अन्यथा जनजाति गायब हो जाएगी।

परन्तु उन्हें पता चला कि याबेश-गिलाद नगर ने युद्ध के लिए इस्राएलियों को नहीं भेजा था, और इसलिए उन्होंने नगर को नष्ट कर दिया। उन्होंने 400 कुंवारियों का अपहरण कर लिया और फिर उन्हें बिन्यामीन के बचे लोगों को दे दिया। अब निस्संदेह उनके पास 200 पत्नियाँ कम थीं, इसलिए उन्होंने एक और योजना बनाई जिसमें उन्होंने शीलो की लड़कियों का अपहरण कर लिया।

और वैसे भी, सभी 600 बिन्यामीन पत्नियाँ बन गए, लेकिन यह एक प्राचीन संबंध है। तो जैसे-जैसे समय बीतता गया, कुछ बिन्यामीनवासी कहेंगे, हाँ, मेरे पिता बिन्यामीन थे, मेरी माँ याबेश-गिलाद से थी, मेरा भी उस शहर से संबंध है। और इसलिए मुझे लगता है कि उस संबंध के प्रकाश में, यह समझ में आता है कि न्यायाधीशों के दिनों में जो हुआ उसके कारण याबेश-गिलियड ने मदद के लिए बिन्यामीन को भेजा होगा।

शाऊल सभी को रोते हुए देखता है, और पूछता है कि वे क्यों रो रहे हैं, और अध्याय 11 के छंद 6 में, जब शाऊल ने उनके शब्द सुने, तो परमेश्वर की आत्मा फिर से उस पर शक्तिशाली रूप से आती है, जैसा कि आत्मा ने अध्याय 10 में किया था। अध्याय 10 में, मुझे लगता है कि शमूएल को उम्मीद थी कि शाऊल, एक बार जब आत्मा उस पर आ गई, तो वह पलिश्तियों के खिलाफ सैन्य रूप से कुछ करेगा। उसने ऐसा नहीं किया.

याद रखें, वह पूजा करने के लिए ऊँचे स्थान पर गया था, और वह वही था। परन्तु इस बार वह क्रोध से जल उठा, और बैलों का एक जोड़ा लेकर उनके टुकड़े टुकड़े कर दिया, और उन टुकड़ों को दूतों के द्वारा पूरे इस्राएल में भेज दिया। और वह घोषणा करता है, आख़िरकार, वह राजा है, उसके पास सेना इकट्ठा करने का अधिकार है।

वह कहता है कि जो कोई शाऊल और शमूएल के पीछे नहीं चलेगा उसके बैलों के साथ यही किया जाएगा। और वह इस बिंदु पर खुद को सैमुअल के साथ जोड़ लेता है। यहोवा का भय लोगों पर छा जाता है, और वे एक हो जाते हैं।

और शाऊल ने उनको बेजेक में इकट्ठा किया, और वहां एक बड़ी सेना इकट्ठी हो गई। ये जजों की भी याद दिलाता है. जब लेवियों की उपपत्नी के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, तो वह इतना क्रोधित हुआ कि उसने उसे काट डाला और उसके शरीर के टुकड़े पूरे इस्राएल में भेज दिए, और इस्राएलियों को इकट्ठा किया कि वे आएं और बिन्यामीनियों के विरुद्ध लड़ें।

उन्होंने मूल रूप से कहा, बिन्यामीन ने मेरी पत्नी के साथ यही किया, और आप सभी को आकर बिन्यामीनियों के विरुद्ध लड़ने की आवश्यकता है। वे दोषियों को सौंपने को तैयार नहीं हैं और इसलिए हम उनके खिलाफ अभियान शुरू करने जा रहे हैं। तो यह याद दिलाता है कि शाऊल यहाँ क्या करता है, लेकिन यदि आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह बहुत अलग है।

लेवियों के विपरीत, शाऊल काट रहा है और बैलों की एक टीम के शरीर के अंगों को भेज रहा है, किसी हत्या की गई महिला को नहीं, बल्कि बैलों की एक टीम को जनजातियों के पास भेज रहा है। और वह इस्राएलियों को अपने भाइयों को मारने के बजाय साथी इस्राएलियों को बचाने के लिए एकजुट कर रहा है। और इसके अलावा, यह घटना याहवे के गिलियड के निवास की डिलीवरी के साथ समाप्त होगी, न कि हत्या या अपहरण के साथ।

और इसलिए विरोधाभास की बात यह प्रतीत होती है कि एक नया युग आ गया है, शायद शाऊल के साथ। जिसमें राष्ट्र एक हो जाएगा, वास्तव में एक आम दुश्मन नाहाश अम्मोनी के खिलाफ

एकजुट हो जाएगा, और गृह युद्ध से टूट नहीं जाएगा। इसलिए यदि समानता का इरादा है, तो शायद यहाँ जो हो रहा है उसका यही महत्व है।

इसके अलावा, जब श्लोक 7 में कहा गया है कि इस्राएली एक व्यक्ति के रूप में एक साथ आए थे, तो वह भाषा न्यायाधीशों 20 को प्रतिध्वनित करती है। न्यायाधीशों 20 में, जनजातियाँ अपने ही भाइयों के खिलाफ लड़ने के लिए गिबा के खिलाफ एक व्यक्ति के रूप में एकजुट हुईं। परन्तु यहाँ, गिबा का निवासी शाऊल, एक विदेशी शत्रु से लड़ने के लिए इस्राएलियों को एक व्यक्ति के रूप में इकट्ठा करता है।

इसलिए मुझे लगता है कि उस पिछली घटना के साथ कुछ विरोधाभास हैं। और इसे अधिक सकारात्मक रूप से देखा जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि इज़राइल अपने नए राजा शाऊल के नेतृत्व में एक आम दुश्मन के खिलाफ एकजुट हो रहा है।

जबकि जजी काल में कलह, गृहयुद्ध और बहुत त्रासदी हुई। और इसलिए शाऊल शहर को इस भयानक अम्मोनी राजा नाहाश से बचाने के इरादे से अपनी सेना का नेतृत्व यहोवा के गिलाद तक करने जा रहा है। और इसलिए वे यहोवा के लोगों को एक संदेश भेजते हैं, जब तक कल सूरज गर्म होगा, तब तक तुम्हें बचा लिया जाएगा।

और दूतों ने जाकर यहोवा के जनों को यह समाचार दिया, और वे आनन्दित हुए। जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं, आख़िरकार हमें अपनी दाहिनी आँखें नहीं खोनी पड़ेंगी। और उन्होंने अम्मोनियों से कहा, कल हम तुम्हारे वश में हो जायेंगे।

यहाँ थोड़ा सा धोखा है। और तुम जो चाहो हमारे साथ कर सकते हो. इसलिए, वे कुछ समय खरीद रहे हैं।

अगले दिन, शाऊल ने अपने आदमियों को तीन भागों में बाँट दिया। और यह मुझे मिद्यानियों के विरुद्ध गिदोन की रणनीति की याद दिलाता है। तो ऐसा हो सकता है कि शाऊल को उस समय के दौरान एक नए गिदोन के रूप में चित्रित किया जा रहा है जब गिदोन ने अपने डर पर काबू पा लिया था और वास्तव में प्रभु पर विश्वास करने और लड़ने के लिए तैयार था।

तो, आप जज अध्याय 7 में गिदोन को उस बिंदु तक आगे बढ़ने में झिझक रहे हैं जहां वह इज़राइल को जीत की ओर ले जाता है। हो सकता है कि यहां आपको शाऊल उस बिंदु तक प्रगति करने में झिझक रहा हो जहां वह जीत भी हासिल करने जा रहा हो। वहां कुछ समानताएं हैं.

और इसलिए, वह मनुष्यों को तीन भागों में विभाजित करता है। रात के आखिरी पहर में वे अम्मोनियों की छावनी पर टूट पड़े, और दिन चढ़ने तक उनको मारते रहे। इसलिए, उन्होंने अम्मोनियों पर घात लगाकर हमला किया।

अप्रत्याशित आक्रमण। और जो बच गए वे तितर-बितर हो गए, यहां तक कि उनमें से दो भी एक साथ न बचे। तब लोगों ने कहा, वह कौन था जिस ने पूछा था, कि क्या शाऊल हम पर राज्य करेगा? इन आदमियों को हमारे हवाले कर दो, ताकि हम उन्हें मार डालें।

तो, याद रखें, अध्याय 10 के अंत में, ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने शाऊल के राजा होने के विचार को स्वीकार नहीं किया था। और अब कुछ लोग कह रहे हैं, वे कहां हैं? वह लोगों का समूह कहाँ है? हम उन्हें मौत की सजा देने जा रहे हैं. शाऊल स्पष्ट रूप से एक सक्षम नेता है।

परन्तु शाऊल, अपने श्रेय के अनुसार, कहता है कि आज किसी को भी मौत की सज़ा नहीं दी जाएगी। आज के दिन के लिये यहोवा ने इस्राएल को छुड़ाया है। यह स्पष्ट रूप से शाऊल का सर्वोत्तम क्षण है।

वह इस समय बदला नहीं लेना चाहता। वह पहचानता है कि किसी को भी मौत की सज़ा नहीं दी जाएगी। प्रभु ने इसराइल पर एक बड़ी जीत हासिल की है, और हम इस तथ्य का जश्न मनाने जा रहे हैं।

और यह भी काफी हद तक गिदोन जैसा है। गिदोन ने बड़ी जीत हासिल की, उसके बाद उसे एप्रैमियों से परेशानी हुई। उन्हें चिढ़ाया गया कि उन्हें युद्ध या किसी भी चीज़ के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था।

उनके अहंकार को ठेस पहुंची. लेकिन गिदोन उन्हें शांत करने और मिद्यानियों पर इस महान जीत के बाद गृहयुद्ध से बचने में सक्षम था। शाऊल यहाँ भी वही काम करता है।

वह लोगों के बीच एकता को बढ़ावा दे रहे हैं, न कि उन लोगों से बदला ले रहे हैं जिन्होंने उन्हें चुनौती दी है। और वह मूल रूप से कह रहा है, आइए प्रभु ने जो किया है उसका जश्न मनाएं। शाऊल का सबसे बेहतरीन समय, मुझे लगता है कि मुख्य विषय जो यहां उभरता है वह सीधे शाऊल के होठों से आता है।

यहोवा ने इस्राएल को बचाया है। और यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है क्योंकि लोग एक राजा चाहते थे क्योंकि वे असुरक्षित महसूस करते थे। उनकी दुनिया में नाहाश अम्मोनी जैसे लोग थे जो धमकी दे रहे थे, और वे सिर्फ सुरक्षित महसूस करना चाहते थे।

और उन्हें लगा कि यदि हमारे पास एक राजा है जिसे हम एक खड़ी सेना के साथ देख सकते हैं, तो हम सुरक्षित रहेंगे। जब भगवान उनके राजा थे और उनकी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम थे। और जो हम यहां देख रहे हैं वह स्वयं शाऊल की ओर से एक अनुस्मारक है।

यहोवा इस्राएल का उद्धारकर्ता है। यह कोई राजा नहीं है. यह वास्तव में मैं नहीं हूं।

यह प्रभु ही है जिसने अपने लोगों को बचाया है। और इसलिए, यहां 1 शमूएल 11 में इस प्रकरण के पहले भाग का मुख्य विषय यही है। अकेले प्रभु ही अपने लोगों के उद्धारकर्ता और सुरक्षा का स्रोत हैं।

आज हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण सबक है, और यह निश्चित रूप से इस समय इस्राएलियों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक था, उनके विश्वास की कमी और उन समस्याओं को देखते हुए जो वे अनुभव कर रहे थे। और इसलिए हम यह कहकर इसे थोड़ा स्पष्ट कर सकते हैं कि प्रभु अपने लोगों को उनके शत्रुओं से बचाने में पूरी तरह सक्षम हैं। और वह अपने लोगों के भरोसे का एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए।

यह तब भी सत्य था और आज भी सत्य है। और साथ ही, ईश्वर की अलौकिक सक्षमता प्रभावी आध्यात्मिक नेतृत्व की कुंजी है। शाऊल यहां कुछ नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन करता है।

उसने उस समय से कुछ प्रगति की है जब वह सामान के बीच छिपा हुआ था। और यह प्रभु की अलौकिक सक्षमता है जो इसमें महत्वपूर्ण थी, क्योंकि पद 6 में याद रखें कि यह परमेश्वर की आत्मा थी जो उस पर आई थी। अब यह हमेशा कोई गारंटी नहीं है.

इन सबमें मानवीय जिम्मेदारी भी एक महत्वपूर्ण कारक है। पहली बार जब आत्मा शाऊल पर आया और वह भविष्यवाणी कर रहा था तो इससे आज्ञाकारी, बुद्धिमानीपूर्ण कार्य नहीं हुआ। इस बार ऐसा होता है.

लेकिन यह भगवान ही है जो सक्षम बनाता है। यह कोई गारंटी नहीं है कि लोग अभी भी सही काम करेंगे। मेरा मतलब है, हम जो ईसाई हैं, पवित्र आत्मा रखते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि हम हमेशा आत्मा में चलते हैं। लेकिन इस मामले में, शाऊल परमेश्वर के उद्देश्यों के अनुरूप था और परमेश्वर की अलौकिक सक्षमता उसके सफल नेता बनने की कुंजी थी, इस मामले में एक सैन्य विजेता के रूप में जिसने इस्राएलियों को इस अम्मोनी राजा से बचाया था। खैर, सैमुअल को यहां राजत्व को नवीनीकृत करने का एक अवसर दिखता है।

अध्याय 10 के अंत में जब शाऊल को चुना गया और इज़राइल के सामने पेश किया गया, तो हर कोई इसमें शामिल नहीं था। और इसलिए, इस सैन्य जीत के बाद इस समय राजत्व को वास्तव में नवीनीकृत करना उचित है। और पद 14 में वह कहता है, आओ , हम गिलगाल चलें, और वहां राज्य का नवीनीकरण करें।

और इसलिए, सभी लोग गिलगाल को जाते हैं और उन्होंने यहोवा की उपस्थिति में शाऊल को राजा बनाया। वे मेल-बलि चढ़ाते हैं और शाऊल और सभी इस्राएली एक बड़ा उत्सव मनाते हैं और अध्याय 11 समाप्त होता है। फिर सैमुअल कुछ बातें कहने जा रहा है।

मुझे ऐसा लगता है जैसे यह ऐतिहासिक रूप से इसी संदर्भ में है क्योंकि अध्याय 12 श्लोक 1 शुरू होता है, सैमुअल ने सभी इज़राइल से कहा था, इसलिए अब जब हमने राजत्व का नवीनीकरण किया है और हम यह उत्सव मना रहे हैं, सैमुअल को लगता है कि लोगों का सामना करना महत्वपूर्ण है। और इसलिए यह इस कड़ी का दूसरा प्रमुख भाग है। सैमुअल लोगों का

सामना करने जा रहा है और वह उन्हें याद दिलाने जा रहा है कि भगवान के अनुबंधित लोगों की सुरक्षा प्रभु के प्रति उनकी निष्ठा पर निर्भर करती है जो उनके प्रति प्रतिबद्ध है।

इस प्रकार, उन्होंने एक बड़ी जीत हासिल की। शाऊल ने इसका श्रेय यहोवा को दिया है। उन्होंने राजत्व का नवीनीकरण किया है।

अब ऐसा लगता है कि शाऊल को राजा बनाने को लेकर हर कोई उत्साहित है। लेकिन सैमुअल इस अवसर का उपयोग उनका सामना करने और उन्हें प्रभु के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखने के लिए चुनौती देने के लिए करने जा रहा है क्योंकि यह राजा नहीं है जो उनकी सुरक्षा का स्रोत है, यह स्वयं प्रभु हैं। और इसलिए, सैमुअल इस अध्याय में उनका सामना करने जा रहा है।

और वह अपना बचाव भी करने जा रहा है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि सैमुअल इज़राइल का नेता रहा है। सैमुअल ने पहले 1 सैमुअल अध्याय 7 में युद्ध में इज़राइल का नेतृत्व किया और एक बड़ी जीत हासिल की। तो, एक भाव यह है कि अब राजा मजबूत हो गया है, अध्याय 11 में राजत्व का नवीनीकरण हो गया है, शाऊल अपनी जगह पर है, और एक भाव यह है कि शमूएल इस राजा के लिए अलग होने जा रहा है।

और ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोग समझें कि वह एक ईमानदार नेता रहे हैं। याद रखें कि उन्होंने शिकायत की थी कि उनके बेटे उनके जैसे नहीं थे और इसलिए वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि एक नेता के रूप में उनकी गुणवत्ता को लोग पहचानें और वे उन पर कुछ भी आरोप न लगाएं। और इस प्रकार, जैसे ही हम अध्याय 12 में जाते हैं, वह समस्त इस्राएल से कहता है, जो कुछ तू ने मुझ से कहा था, वह मैं ने सुना है, और मैं ने तेरे ऊपर एक राजा नियुक्त किया है।

ऐसा लगता है जैसे हमने अध्याय 8 में कुछ योग्यताओं के साथ पढ़ा है जिन्हें हमने देखा है। प्रभु उन्हें सभी राष्ट्रों की तरह सिर्फ एक राजा नहीं दे रहे हैं। यहां कुछ अनुमानित योग्यताएं हैं।

राजा वह नहीं करेगा जो सामान्य राजा करता है। परन्तु शमूएल कह रहा है, जो राजा तू चाहता था वह मैं ने तुझे दे दिया है। अब आपका नेता एक राजा है।

जहाँ तक मेरी बात है, मैं बूढ़ा और सफ़ेद हो गया हूँ और मेरे बेटे यहाँ तुम्हारे साथ हैं। मैं युवावस्था से लेकर आज तक आपका नेता रहा हूं। इसलिए, शमूएल उनकी ओर से की गई अपनी सेवा को याद कर रहा है और वह कहता है, मैं यहां खड़ा हूं, प्रभु और उसके अभिषिक्त की उपस्थिति में मेरे खिलाफ गवाही देता हूं।

यदि आपको मुझसे कोई समस्या है, कोई पुरानी समस्या है, तो आपको उसे अभी बताना होगा। यदि मैंने किसी भी तरह से बेईमानी की है, तो आपको इसे अभी सामने लाना होगा। मैं किसका बैल ले गया हूँ? मैंने किसका गधा पकड़ लिया है? मैंने किसे धोखा दिया है? मैंने किस पर अत्याचार किया है? मैंने अपनी आँखें बंद करने के लिए किसके हाथ से रिश्वत ली है? अगर मैंने इनमें से कोई भी काम किया है तो मैं उसे सही कर दूंगा।

तो मैंने तुमसे कुछ नहीं लिया. मैंने रिश्वत नहीं ली है. मैं एक ईमानदार न्यायाधीश और नेता रहा हूं।

और लोग इसे पहचानते हैं. वे कहते हैं कि आपने हमें धोखा नहीं दिया या हमारे ऊपर अत्याचार नहीं किया। आपने किसी के हाथ से कुछ नहीं लिया.

और इसलिये शमूएल कहता है, यहोवा तुम्हारे विरूद्ध साक्षी है। और उसका अभिषिक्त राजा आज इस बात का गवाह है, कि तू ने मेरे हाथ में कुछ भी न पाया। तो, वह एक गवाह है, उन्होंने कहा।

सैमुअल यहां वास्तव में स्पष्ट होना चाहता है। मैं एक ईमानदार नेता रहा हूं. जैसे ही मैं एक तरफ हटता हूं, आपके पास मेरे खिलाफ कुछ भी नहीं है।

और वे सहमत हैं. और फिर उस ने लोगोंसे कहा, यहोवा ही है जिस ने मूसा और हारून को ठहराया, और तुम्हारे पितरोंको मिस्र से निकाल लाया। इस बिंदु पर, सैमुअल उन्हें अपने उपदेश की पृष्ठभूमि के रूप में उनके इतिहास का पूर्वाभ्यास करने जा रहा है।

वह उन्हें याद दिलाएगा कि यह प्रभु ही है जो अंततः आपका राजा है। और अब यहां खड़े रहो क्योंकि मैं तुम्हारे और तुम्हारे पूर्वजों के लिए यहोवा द्वारा किए गए सभी धार्मिक कार्यों के सबूत के साथ तुम्हें प्रभु के सामने पेश करने जा रहा हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं, कि मैं एक न्यायप्रिय नेता रहा हूं और मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि प्रभु आपके लिए एक वफादार, विश्वासयोग्य राजा रहे हैं।

और उस ने धर्म के काम किए हैं। उसने आपको बार-बार बचाया है और आपके लिए आया है। और फिर वह आगे बढ़ता है, याकूब के मिस्र में प्रवेश करने के बाद, उन्होंने मदद के लिए प्रभु को पुकारा।

और यहोवा ने मूसा और हारून को भेजा, जिन्होंने तुम्हारे पुरखाओं को मिस्र से निकालकर इस स्थान में बसाया। परन्तु वे यहोवा, अपने परमेश्वर को भूल गए। इसलिये उसने उन्हें सीसरा के हाथ बेच दिया।

और अब सैमुअल जजों के दौर में है. वह बताते हैं कि वास्तव में मूसा और हारून उन्हें भूमि पर नहीं लाए थे। उन्होंने इसे गति दी और जोशुआ ने जो शुरू किया उसे पूरा किया।

याद रखें कि प्रभु उन्हें देश में जाने की अनुमति नहीं देंगे। परन्तु न्यायाधीशों के काल में वे प्रभु को भूल गये। और इस प्रकार उस ने उन को न्यायियोंकी सेना के प्रधान सीसरा के हाथ में, 4. और पलिश्तियोंके हाथ में बेच दिया।

यदि आप न्यायाधीशों के माध्यम से पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि ऐसे समय थे जब पलिश्तियों ने इसराइल पर प्रभुत्व किया था, खासकर सैमसन के समय में। और मोआब के राजा एग्लोन को

स्मरण कर, हे न्यायियों 3, एहूद ने उसे घात किया। और इसलिए, मोआबियों ने कभी-कभी उन इस्राएलियों पर अत्याचार किया जो उनके विरुद्ध लड़े थे।

और उन्होंने यहोवा की दोहाई दी। आप जानते हैं, न्यायाधीशों के चक्र जहां भगवान लोगों को उनकी मूर्तिपूजा के कारण दंडित करेंगे, उन्हें दंडित करेंगे। और तब वे यहोवा की दोहाई देते हैं और यहोवा एक छुड़ानेवाले को भेजता है।

यह एक तरह का बुनियादी पैटर्न है जो हम न्यायाधीशों में देखते हैं। हालाँकि, अजीब बात है कि सैमसन की कहानी में, जहाँ तक हम देख सकते हैं, वे मदद के लिए नहीं चिल्लाते हैं। फिर भी प्रभु ने सैमसन के माध्यम से उन्हें राहत और मुक्ति दिलाने का निर्णय लिया।

उन्होंने आम तौर पर प्रभु को पुकारा और कहा, हमने पाप किया है। हम ने यहोवा को त्याग कर बाल देवताओं और अश्तोरेत देवताओं की उपासना की है, परन्तु अब हमें अपने शत्रुओं के हाथ से बचा, और हम तेरी उपासना करेंगे। और फिर प्रभु आम तौर पर एक उद्धारकर्ता भेजेंगे।

और वह जेरु बाल का उल्लेख करता है, जो गिदोन का दूसरा नाम है। हिब्रू पाठ में, यह बदन के बारे में बात करता है। हम जजों के दौर में बदन नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते.

और इसलिए, आप यहां अंग्रेजी अनुवादों में संशोधन देखेंगे। एनआईवी बराक पढ़ता है। शायद बदन बराक नाम का अपभ्रंश है।

हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं कि वहां क्या हो रहा है। लेकिन फिर यिप्तह, और वह खुद का उल्लेख करता है, सैमुअल, जो थोड़ा अजीब लगता है। लेकिन शमूएल एक तरह से न्यायाधीशों में अंतिम था और उसने लोगों को मुक्ति दिलाई।

कुछ लोग कहेंगे कि सैमुअल के लिए यहां खुद को तीसरे व्यक्ति के रूप में संदर्भित करना थोड़ा अजीब होगा। हो सकता है कि वह एक बाद का लिपिबद्ध संस्करण हो, भले ही वह प्रेरित हो, जो केवल सैमुअल के साथ-साथ इन अन्य न्यायाधीशों का महिमामंडन करना चाहता है। हमें यकीन नहीं है, लेकिन उसका उल्लेख वहां किया गया है।

और उसने तुम्हें शमूएल के स्थान पर सैमसन को पढ़ने के लिए किसी को सौंपा। लेकिन किसी भी कीमत पर, सैमुअल यहां जो कर रहा है, वह इतिहास की बुनियादी रूपरेखा का पूर्वाभ्यास कर रहा है। उस अवधि के दौरान आपने प्रभु के विरुद्ध विद्रोह किया।

जब तुम चिल्लाए और अपने पापों से पश्चाताप किया और अपनी मूर्तियों को फेंक दिया, तो प्रभु ने तुम्हें बचाने के लिए न्यायाधीशों को खड़ा किया। और उस ने तुम को तुम्हारे चारोंओर के शत्रुओं के हाथ से बचाया, और तुम निडर रहे। और यह उनकी शिकायत के लिए प्रासंगिक है, आप जानते हैं, पिछली शिकायत के लिए क्योंकि वे सुरक्षित रहना चाहते हैं।

और मुझे लगता है कि सैमुअल उन्हें यहां याद दिला रहा है, आप जानते हैं, किसी भी समय जब आपको ऐसा महसूस नहीं होता था कि आप सुरक्षित थे, तो ऐसा लगता था जैसे आप लड़ाई हार

गए हैं और दुश्मन आप पर अत्याचार कर रहे हैं। यह प्रभु के कमज़ोर या लापरवाह होने के कारण नहीं था। यह तुम्हारे पाप के कारण था।

जब भी आप असुरक्षित और उत्पीड़ित हुए हैं, तो यह आपके पाप के कारण था। परन्तु जब तुम मन फिराओगे, और चिल्लाओगे, तब यहोवा तुम्हें बचाएगा। दूसरे शब्दों में, आप बिलकुल ठीक हैं।

यदि आपने वास्तव में प्रभु का अनुसरण किया होता, तो आप बिल्कुल ठीक होते। प्रभु ने हमेशा आपकी देखभाल की है और आपका उद्धार किया है। परन्तु जब तू ने देखा, कि अम्मोनियों का राजा नाहाश तेरे विरूद्ध आगे बढ़ रहा है, तब तू ने मुझ से कहा, नहीं, हम चाहते हैं कि हम पर प्रभुता करने वाला राजा हो, यद्यपि तेरा परमेश्वर यहोवा ही तेरा राजा है।

इसलिए वह उन्हें यहां से छूटने नहीं दे रहा है। वह उन्हें अध्याय 8 की घटना पर वापस ले जा रहा है, और वह उन्हें याद दिला रहा है, तुम्हें पता है क्या, तुम मेरे बेटों के बेईमान होने के बारे में शिकायत कर रहे थे। लेकिन वास्तव में जो समस्या थी वह नाहाश से आपका डर था, भले ही भगवान, आपका भगवान, आपका राजा था।

अब यहाँ वह राजा है जिसे तुमने चुना है। और यह दिलचस्प है कि वह कहता है, आपने उसे चुना है, भले ही पहले भगवान ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि उसने उसे चुना है। दोनों एक अर्थ में सत्य हैं।

आप एक राजा चाहते थे, आपको एक मिल गया। आपने जो मांगा था, आप जानते हैं, वह शाऊल का विचार है। देख, यहोवा ने तेरे ऊपर एक राजा नियुक्त किया है।

और इसलिए अब सैमुअल इस बात पर जोर देने जा रहा है कि सिर्फ इसलिए कि आपके पास एक राजा है, यह मत सोचिए कि आप जो करना चाहते हैं वह कर सकते हैं। अब आप सुरक्षित हैं क्योंकि यह राजा आपके पास है। यदि तू यहोवा का भय माने, और उसकी सेवा करे, और उसकी आज्ञा माने, और उसकी आज्ञाओं से बलवा न करे, और यदि तू और तुझ पर राज्य करनेवाला राजा दोनों अपने परमेश्वर यहोवा के पीछे चलें, तो अच्छा है।

तो, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राजा की एक जिम्मेदारी है। और हमने इसे व्यवस्थाविवरण 17 श्लोक 14 से 20 में देखा, जिसे हमने अपने पिछले पाठ में देखा था। राजा से अपेक्षा की जाती है कि वह कानून से परिचित हो , उसे पढ़े और लोगों को उसका पालन करने में नेतृत्व करे।

और इसलिए, यहां यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सिर्फ इसलिए कि उनके पास एक राजा है, कोई गारंटी नहीं है। नियम वही हैं जो जजों के काल में थे. यदि तुम प्रभु से विमुख हो जाओगे, तो उसे तुम्हें अनुशासित करना होगा।

अगर तुम उसकी बात मानोगे तो ठीक हो जाओगे. लेकिन इस बिंदु पर सिर्फ एक राजा होने से कुछ भी गारंटी नहीं मिलती है। आप अभी भी प्रभु का भय मानने और उसकी आज्ञा मानने के लिए जिम्मेदार हैं।

परन्तु यदि तुम यहोवा की आज्ञा न मानो, अध्याय 12 के श्लोक 15, और यदि तुम उसकी आज्ञाओं के विरुद्ध बलवा करो, तो उसका हाथ तुम्हारे विरुद्ध वैसे ही उठेगा जैसे तुम्हारे पूर्वजों के विरुद्ध था। तो अब, श्लोक 16, स्थिर खड़े रहो और इस महान कार्य को देखो जो प्रभु तुम्हारी आंखों के सामने करने पर है। प्रभु यहां जो करने जा रहे हैं वह उन्हें एक संकेत देगा, एक पुष्टि संकेत कि शमूएल उनसे सच बोल रहा है और उन्हें उसकी बात ध्यान से सुनने की जरूरत है।

क्या अभी गेहूँ की कटाई नहीं हो रही है? प्राचीन इज़राइल में, सर्दियों की बारिश के बाद मई या जून में जौ की कटाई के बाद गेहूं की फसल होने वाली थी। इसलिए आप गेहूं की कटाई के दौरान तूफान आने की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। और अब मैं यहोवा से गरज और वर्षा भेजने के लिये प्रार्थना करूंगा।

और निःसंदेह, यह थोड़ा परेशान करने वाला है क्योंकि उस तरह का तूफान गेहूं की कुछ फसल को बर्बाद कर सकता है। और इसलिए शायद वे सोच रहे होंगे, नहीं, क्या प्रभु हमारी फसल छीन लेंगे? और तू जान लेगा कि तू ने राजा मांगकर यहोवा की दृष्टि में कैसा बुरा काम किया है। तो, प्रभु आपको यहां एक संकेत देने जा रहे हैं कि जो मैं आपको बता रहा हूं वह सच है।

और शमूएल ने यहोवा को पुकारा और उसी दिन यहोवा ने बादल गरजाए और मेंह बरसाए। इसलिये सब लोग यहोवा और शमूएल के भय के मारे खड़े हो गए। इसलिए प्रभु ने शमूएल की प्रार्थना का उत्तर दिया और गरज और बारिश पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया।

इसमें फ़सल को नष्ट करने या उस जैसी किसी चीज़ का कोई संदर्भ नहीं है, लेकिन इसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें एहसास हुआ कि सैमुअल जो कहता है वह सच है। और सब लोगों ने शमूएल से कहा, अपके दासोंके लिथे अपके परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करो, कि हम न मरें। मुझे लगता है कि उन्होंने जो किया है उसकी गंभीरता को शायद पहली बार समझा है।

आप जानते हैं, जीवन में हमेशा ऐसा समय आता है जब आपने पाप किया होता है और तब आपको एहसास होता है, हाँ, मैंने वास्तव में इसे बर्बाद कर दिया। मैंने सच में पाप किया. भगवान मेरे साथ बहुत धैर्यवान रहे हैं, लेकिन मुझे चिंता है कि आपने जो किया है उसे आप वास्तव में कहाँ से समझ पा रहे हैं।

और मुझे नहीं लगता कि जब तक ऐसा नहीं होता तब तक आप सचमुच पश्चाताप कर सकते हैं। और वे इसे यहां देखते हैं। वे समझते हैं कि हमने अपने अन्य सभी पापों में राजा माँगने की बुराई भी जोड़ दी है।

इसलिए, वे समझते हैं कि राजा की माँग करना ग़लत था और वे चिंतित हैं कि शायद प्रभु इसके लिए उन्हें बहुत कड़ी सज़ा देंगे। और इसलिए, उन्होंने शमूएल से उनकी ओर से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। और वैसे, सैमुअल यहां इजराइल के मध्यस्थ के रूप में उभर रहे हैं.

हमने इसे 1 शमूएल 7 में देखा। जब उन्होंने अपनी मूर्तियाँ फेंक दीं, तो वे प्रभु के पास वापस आ गए। शमूएल ने उन्हें पश्चाताप कराया और फिर उन्हें पलिश्तियों पर विजय दिलाई। और यहां वह मध्यस्थ के तौर पर भी काम कर रहे हैं.

लोग उसके पास आकर कहने लगे, तू अपके दासोंके लिथे अपके परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर, कि हम न मरें। दूसरे शब्दों में, हम जानते हैं कि आपका उसके साथ रिश्ता है। हमारी ओर से प्रार्थना करें.

और मुझे लगता है कि हम यहां जो देखते हैं, ऐतिहासिक रूप से कहें तो, सैमुअल मूसा की तरह एक भविष्यवक्ता है। याद रखें कि मूसा ने कहा था, प्रभु मेरे जैसा एक भविष्यवक्ता खड़ा करेगा। और सैमुअल को, कई मायनों में, जैसा कि आप सैमुअल के माध्यम से पढ़ते हैं, एक नए मूसा के रूप में चित्रित किया गया है।

वह बिल्कुल मूसा जैसा है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह मूसा के ड्यूटेरोनोमिक कथन को समाप्त करता है। सैमुअल इसकी पहली अभिव्यक्ति है.

वह इसकी पहली पूर्ति है। अंततः, यीशु ही वह है जो मूसा की तरह भविष्यवक्ता है। लेकिन एक भावना है कि सैमुअल यहां उसी तरह से कार्य कर रहा है।

और सैमुअल लोगों के लिए बल्लेबाजी करने जा रहा है। पद 20 में वह कहता है, डरो मत। यह सब दुष्टता तुमने ही की है।

तौभी प्रभु से विमुख न हो। मैं सहमत हूं, आपने पाप किया है। परन्तु प्रभु से विमुख न हो।

परन्तु पूरे मन से यहोवा की सेवा करो। तुम मरने वाले नहीं हो. लेकिन आपको प्रभु की ओर मुड़ने और उसकी सेवा करने की ज़रूरत है।

व्यर्थ मूर्तियों के पीछे न फिरो। वे तुम्हारा कुछ भला नहीं कर सकते, न तुम्हें बचा सकते हैं, क्योंकि वे निकम्मे हैं। अपने महान नाम के कारण, यहोवा अपनी प्रजा को अस्वीकार न करेगा, क्योंकि यहोवा तुम्हें अपना बनाने को प्रसन्न था।

तो, वह कहते हैं, प्रभु आपको अस्वीकार नहीं करेंगे। प्रभु आपके प्रति अनुबंध के माध्यम से प्रतिबद्ध है। जहाँ तक मेरी बात है, यह मुझसे दूर रहे कि मैं तुम्हारे लिये प्रार्थना न करके प्रभु के विरुद्ध पाप करूँ।

तो, सैमुअल को एहसास हुआ, कि अगर मैं लोगों की ओर से हस्तक्षेप नहीं करता, तो वे प्रभु के लोग हैं। उन्होंने उन्हें अस्वीकार नहीं किया है. और यदि मैं भविष्यवक्ता के रूप में अपना कार्य नहीं करूंगा, तो मैं पाप करूंगा।

तो, तुम्हें एहसास है, हाँ, मैं तुम्हारे लिए हस्तक्षेप करने जा रहा हूँ। परन्तु प्रभु पर भरोसा रखो और पूरे मन से वफ़ादारी से उसकी सेवा करो। विचार करें कि उसने आपके लिए कौन से महान कार्य किए हैं।

तौभी यदि तू बुराई करता रहा, तो तू और तेरा राजा दोनों नष्ट हो जाएंगे। तो, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राजा होना कोई गारंटी नहीं है। नियम वैसे ही हैं जैसे वे हमेशा से रहे हैं।

यदि आप प्रभु के प्रति वफादार हैं, तो वह आपकी रक्षा करेगा और आपको सुरक्षित रखेगा। यदि आप प्रभु से दूर हो जाते हैं, तो उसके कारण उसे आपको अनुशासित करना होगा। तो, इस विशेष अध्याय में, जिसका हमने शीर्षक दिया है, सैमुअल कॉन्फ्रंट्स द पीपल, मुझे लगता है कि बड़ा विचार यह है कि भगवान के अनुबंधित लोगों की सुरक्षा भगवान के प्रति उनकी निष्ठा पर निर्भर करती है, जो उनके प्रति प्रतिबद्ध रहता है।

यह एक राजा के बारे में इतना नहीं है, यह आज्ञाकारिता के बारे में है। और हम इसे इस तरह से थोड़ा बेहतर कर सकते हैं। हम कह सकते हैं, कि जब उसके लोग विद्रोह करते हैं, तब भी प्रभु उनके प्रति उनकी नवीनीकृत वाचा निष्ठा के बदले में उन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं।

और प्रभु अपनी वाचा की प्रतिबद्धता के प्रति वफादार रहते हैं, तब भी जब उनके लोग अयोग्य साबित होते हैं। तो यह हमें इस पाठ के अंत तक लाता है। अध्याय 13 में, हम शाऊल के करियर के बारे में और अधिक पढ़ना शुरू करेंगे।

दुर्भाग्य से, 1 शमूएल 11, शाऊल का सबसे अच्छा समय बस यही था। चीजें यहां से नीचे की ओर जाने वाली हैं। और इसलिए, हम उस अध्याय को अपने अगले पाठ में लेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह 1 शमूएल 11-12 का सत्र 8 है, शाऊल का सबसे बेहतरीन समय, शमूएल लोगों का सामना करता है।